● **पढ़ो और समझो :**

६. उत्तम शिक्षा

– महात्मा गांधी

जन्म : २ अक्तूबर १८६९, पोरबंदर, गुजरात, **मृत्यु :** ३० जनवरी १९४८ **परिचय :** आप 'राष्ट्रपिता' की उपाधि से जाने जाते हैं । प्रस्तुत पत्र में यह बताया गया है कि शिक्षा का अर्थ मात्र अक्षर ज्ञान नहीं है, चरित्र संवर्धन एवं कर्तव्य पालन भी है ।

कार्य हमारा

✲ चित्र देखकर क्रियायुक्त शब्दों से वाक्य बनाओ ।

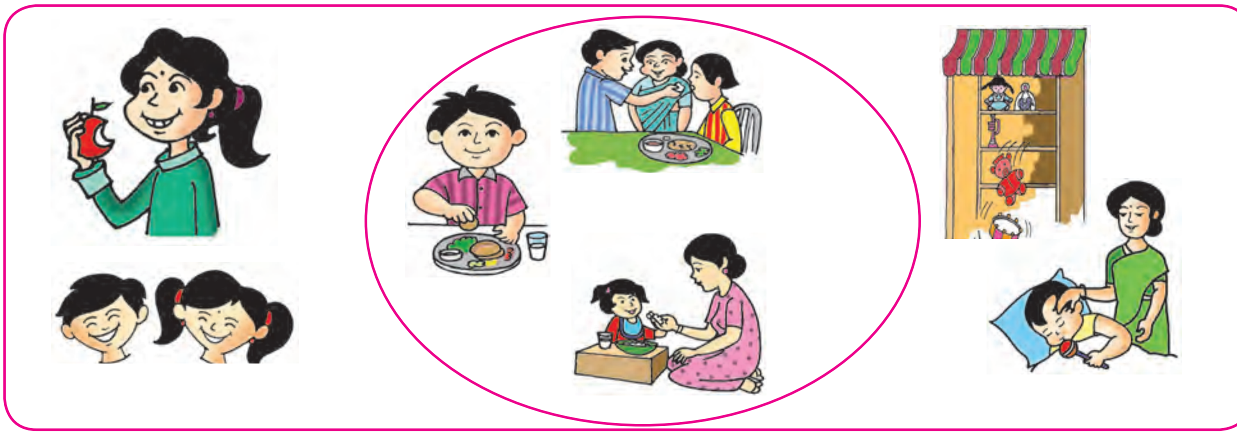

येरवडा मंदिर
८-११-३२

प्यारे मणिलाल,

शुभाशीष ।

मैंने जो परिवारिक बोझ तुम्हारे सिर पर दिया है उसका निर्वहन करने में तुम समर्थ हो । मुझे ऐसा लगता है कि तुम पूरे आनंद के साथ इसे उठा रहे हो । मैंने कारागृह में बहुत कुछ पढ़ा है । मेरा ऐसा मानना है कि शिक्षा का अर्थ मात्र अक्षरज्ञान नहीं है । शिक्षा का अर्थ है चरित्र संवर्धन एवं कर्तव्य पालन । तुम्हें आजकल उत्तम शिक्षा प्राप्त हो रही है । माँ की सेवा हो या भाभी जी की अथवा रामदास एवं देवदास का अभिभावक बनना इससे अधिक अच्छी शिक्षा कौन-सी हो सकती है ? ये कार्य तुम अच्छी तरह से करो तो आधी से भी अधिक शिक्षा पूरी करने जैसा ही है ।

❑ पत्र में आए हुए क्रिया शब्दों (लिखो, दिया है, पाल सकोगे, था, खाया, खिलाया, खिलवाया) को श्यामपट्ट पर लिखकर विद्यार्थियों से इसी प्रकार के अन्य शब्द कहलवाएँ। उन्हें क्रिया के भेद प्रयोग द्वारा समझाएँ। दृढ़ीकरण होने तक अभ्यास करवाएँ। इस अनौपचारिक पत्र के किसी एक परिच्छेद का उचित उच्चारण के साथ आदर्श वाचन करके मुखर वाचन कराएँ। नए शब्दों का श्रुतलेखन करवाएँ। उन्हें पत्र लेखन विधि की जानकारी दें और उसके प्रकारों को समझाएँ। उन्हें अन्य अनौपचारिक पत्र पढ़ने के लिए दें और पत्र लिखने के लिए प्रेरित करें।

जरा सोचो .....लिखो

यदि भोजन से नमक गायब हो जाए तो...

बेटे को अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए । प्रत्येक बच्चे को सत्य, अहिंसा तथा संयम इन गुणों को अपने आचरण में लाना चाहिए । ऐसा करते समय उसे आनंद की अनुभूति होनी चाहिए । जब मैं तुमसे भी उम्र में छोटा था तब मुझे अपने पिता जी की सेवा-शुश्रूषा करते समय बहुत आनंद आता था । भौतिक सुख-सुविधाओं की अपेक्षा तुम अगर इन तीन गुणों को अपने आचरण में लाओगे तो मेरी दृष्टि से तुम्हारी शिक्षा पूरी हुई है । इन त्रिगुणों के बलबूते तुम दुनिया में कहीं भी अपना पेट पाल सकोगे ।

जो शिक्षा प्राप्त करनी है वह दूसरों के काम आए । अपनी शिक्षा में गणित और संस्कृत की ओर अधिक ध्यान दो । तुम्हें संस्कृत की बहुत आवश्यकता है । आगे चलकर इन दो विषयों की पढ़ाई करना कठिन हो जाता है । संगीत के प्रति लापरवाही मत बरतो । हिंदी भाषा के गीतों को एक कॉपी में सुंदर-सुडौल अक्षरों में लिखो । यह संग्रह वर्ष के अंत में बहुत लाभदायी, मूल्यवान होगा ।

बापू के आशीर्वाद

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

निर्वहन = निर्वाह　　अभिभावक = पालक

लापरवाही = असावधानी　　बलबूते = सामर्थ्य

मुहावरा

पेट पालना = भरण-पोषण करना

अध्ययन कौशल

पढ़ाई का नियोजन करते हुए अपनी दिनचर्या लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

नवयुवकों की शक्ति देशहित में लगनी चाहिए ।

सुनो तो जरा

दूरदर्शन और रेडियो के कार्यक्रम सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

संतुलित आहार पर पाँच वाक्य बोलो ।

वाचन जगत से

साने गुरुजी द्‌वारा लिखा कोई एक पत्र पढ़ो और चर्चा करो ।

मेरी कलम से

अपने मित्र को शुभकामना/बधाई पत्र लिखो ।

* एक वाक्य में उत्तर लिखो ।

१. मणिलाल के सिर पर कौन-सा बोझ था ?

२. बापू कारागृह में क्या पढ़ रहे थे ?

३. प्रत्येक बच्चे को किन-किन गुणों को आचरण में लाना चाहिए ?

४. मणिलाल को किस विषय के गीतों को कॉपी में लिखने के लिए कहा गया है ?

स्वयं अध्ययन

डाक टिकटों का संकलन करके प्रदर्शनी का आयोजन करो ।

खोजबीन

खादी का कपड़ा कैसे बनाया जाता है इसकी जानकारी प्राप्त करके लिखो ।

विचार मंथन

।। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन । योगासन है, उत्तम साधन ।।

* नीचे दिए गए नोबल पुरस्कार प्राप्त विभूतियों के चित्र चिपकाओ । उन्हें यह पुरस्कार किसलिए प्राप्त हुआ है, बताओ ।

१. गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर	२. सर चंद्रशेखर वेंकटरमन	३. डॉ. हरगोबिंद खुराना	४. मदर टेरेसा
५. सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर	६. अमर्त्यकुमार सेन	७. वेंकटरमन रामकृष्णन	८. कैलास सत्यार्थी